Constitutional Law
LL.B 3Year (Ist) Sem

1. परिसंधात्मक संविधान के लक्षणों का वर्णन कीजिए। भारत का संविधान किस सीमा तक परिसंधात्मक हैं? व्याख्या कीजिए।
2. शक्ति पृथक्करण के सिद्धान्त से आप क्या समझते है? सिद्धान्त को भारत के सिद्धान्त में किस सीमा तक लागू किया गया है? स्पष्ट कीजिए।
3. (a) भारत के संविधान के अनुच्छेद 12 में परिभाषित "राज्य" शब्द की व्याख्या कीजिए

   (b) क्या निम्नलिखित राज्य है?

   (i) भारतीय जीवन बीमा निगम

   (ii) डा० राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय

   (iii) राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड

   (iv) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद

   (v) एन० सी० ई० आर० टी०

4. भारत के संविधान में प्रव्याभूत "वाक एवं अधिव्यक्ति की स्वतन्त्रता" का वर्णन कीजिए तथा इस स्वतन्त्रता पर किन आधारों पर निर्बन्धन लगाये जा सकते हैं? विवेचना कीजिए।
5 भारत के प्रत्येक नागरिक को विधि का समान संरक्षण एवं विधि के समक्ष समान समझना चाहिए" इस कथन की पुष्टि निर्णीत वादों सहित कीजिए
6 उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के मूल अधिकारों के प्रवर्तन करने से सम्वन्धित अधिकारिता का परीक्षण कीजिए। उन आधारों का भी वर्णन कीजिए जिन पर उच्चतम न्यायालय मूल अधिकारों को प्रवर्तन करने से मना कर सकता है।
7 सभी व्यक्तियों को अतः करण की स्वतन्त्रता का और धर्म क अवाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान अधिकार है। निर्णीत वादों की सहायता से उपरोक्त कथन की व्याख्या कीजिए
8 Short Note. टिप्पणी

   (i) राज्य के नीति निर्देशक तत्व

   (ii) उद्देशिका का महत्व

   (iii) मूल कतर्व्य

   ;पअद्ध अनुच्छेद 21 की भूमिका

Public International Law

1. अर्न्तराष्ट्रीय विधि के स्त्रोतों का संक्षेप मे वर्णन कीजिए?
2. अंतर्राष्ट्रीय विधि की परिभाषा दीजिए। अंतर्राष्ट्रीय विधि की कमियों एवं इसका राज्य विधि से अन्तर का वर्णन कीजिए।
3. एक वैध प्रव्यर्पण के लिए मूल आवश्यकताँ क्या होती है? इस संदर्भ में राजनीतिक अपराधों के अर्थ एव महत्व को समझाइये।
4. राज्य की मान्यता की रीतियों की विवेचना कीजिए।
5. राष्ट्रीयता अर्जिति करने के प्रकारों का वर्णन कीजिए तथा राष्ट्रीयता एवं नागरिकता में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
6. राज्य क्षेत्राधिकार का अर्थ क्या है? राज्य क्षेत्राधिकार के विभिन्न तरीके क्या है?
7. 'युद्ध' की परिभाषा दीजिए। युद्ध कैसे प्रारम्भ होता है एवं समाप्त होता है?
8. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना, शक्तियो एवं कार्यो की विवेचना कीजिए। अर्न्तराष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा के लिए सुरक्षा परिषद के योगदान की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए।
9. निम्नलिखित की संक्षिप्त टिप्पणी दीजिएः
   (1) सामुद्रिक पेटी Maritime Belt
   (2) समीपस्थ क्षेत्र Contiguous Zone
   (3) महा सभा General Assembly
   (4) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय International Court of Justice

Law of Torts 1st Sem

1. अपकृत्य को परिभाषित कीजिए। अपकृत्य विधि की प्रकृति एवं उद्विकास की विवेचना कीजिए। और अपकृत्य विधि के विशेषताओ का वर्णन कीजिए।
2. रायलैण्डस बनाम फ्लेचर के नियम और इसके अपवाद की विवेचना कीजिए।
3. पूर्ण दायित्व से आप क्या समझते है? निर्णीत वादो की सहायता से विवेचना कीजिए।
4. विद्वेषपूर्ण अभियोजन को परिभाषित कीजिए। इसके आवश्यक तत्व क्या है? इसके वाद में वादी को सफल होने के लिए क्या बाते सिद्ध करना आवश्यक है।
5. "स्वेच्छा से उठायी गयी हानि से विधिक क्षति नही होती" को स्पष्ट कीजिए। इसके अपवादो का वर्णन कीजिए।
6. अपने सेवक के अपकृत्यपूर्ण कृत्य के लिए सरकार के दायित्व की विवेचना कीजिए।
7. Shorts Notes संक्षिप्त टिप्पणी
    1. प्रतिनिधिक दायित्व Vicarious liability
    2. अवश्यम्भावी दुर्घटना Inevitable accident
    3. मानसिक आधात Nervous shock
    4. अनिर्धारित नुकसानी Unliquidated damages
    5. दैवीय कृत्य Act of God
    6. सामान्य प्रतिवाद General exception
    7. स्वामी का अपने सेवक के प्रति दायित्व Liability of master for his servant
8. अन्तर बताइए
    1. बिना हानि के क्षति तथा बिना क्षति के हानि
    2. अपकृत्य तथा अपराध
    3. हमला एवं प्रहार
    4. विदेषपूर्ण अभियोजन और मिथ्या कारावास
    5. अपकृत्य और संविदा

शब्द से क्या समझते हैं?

1. अपराध तथा विभिन्न विधिवेत्ताओ द्वारा की गयी अपराध की परिभाषाओं की व्याख्या कीजिए
2. सामान्य आशय से क्या समझते है? सामान्य आशय और सामान्य उद्देश्य में क्या अन्तर है?
3. दण्ड को परिभाषित करिये तथा दण्ड के विभिन्न सिद्धान्तों का वर्णन करिये और भारतीय दण्ड संहिता में वर्णित विभिन्न प्रकार के दण्डो का वर्णन कीजिए।
4. दुष्प्रेरण को परिभाषित कीजिए तथा दुष्प्रेरण एवं आपराधिक षड्यन्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिनमें शरीर तथा सम्पत्ति की प्राइवेट प्रतिरक्षा का विस्तार मृत्युकारित करने तक होता है।
6. प्रयत्न को परिभाषित कीजिए। तैयारी तथा प्रयन्न में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. आवश्यकता कोई कानून को नहीं जानती। समझाइये।
8. कोई भी कार्य अपराध नहीं है, जो दुर्घटना या दुर्भाग्य से आपराधिक आशय या ज्ञान के बिना विधिपूर्ण प्रकार से और विधिपूर्ण साधनों द्वारा और उचित सतर्कता और सावधानी के साथ विधिपूर्ण कार्य करने में हो जाती है। समझाइये।

टिप्पणी

1. बलवा एवं दंगा
2. मृत्यु दण्ड की संवैधानिकता
3. विधिक चित्तविकृति बचाव के रूप में

Law of Contract

1. संविदा की परिभाषा दीजिए। एक वैध संविदा के आवश्यक तत्वों का वर्णन कीजिए तथा प्रत्येक संविदा एक करार होता है परन्तु प्रत्येक करार संविदा नहीं होता है इस कथन की व्याख्या कीजिए।
2. "बिना प्रतिफल के करार शून्य है" व्याख्या कीजिए इस नियम के अपवाद यदि कोई हो दीजिए।
3. संविदा करने के लिए कौन सक्षम है? अवयस्क क साथ की गयी संविदा शून्य है अथवा शून्यकरणीय। सुसंगत वादों की सहायता से वर्णन कीजिए
4. (a). सम्पत्ति की परिभाषा दीजिए। सम्मत्ति स्वतन्त्र कब कही जाती है व्याख्या कीजिए

   (b). दुर्व्यपदेशन की परिभाषा दीजिए। दुर्व्यपदेशन और कपट में अन्तर स्पष्ट कीजिए
5. "बाजीयुक्त करार" की परिभाषा दीजिए और इसके आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए
6. संविदाओं का विनिर्दिष्ट पालन क्या है? किन सविदाओं का विनिर्दिष्टतः पालन नहीं कराया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।
7. व्यादेश क्या है? अस्थाई व्यादेश कब जारी किया जा सकता है? अस्थाई और शाश्वत व्यादेश में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
8. नैराश्य के सिद्धान्त की निर्णोत वादों की सहायता से विवेचना कीजिए नैराश्य के विशेष आधारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
9. **टिप्पणी–** असम्यक असर संविदा कल्प कपट शून्य एवं शून्यकरणीय संविदा के अन्तर व्यापार अवरोधक करार

Family Law (Hindu Law)

1. हिन्दू विधि के अनुसार हिन्दू कौन है? उल्लेख कीजिए
2. हिन्दू विधि के अन्तर्गत विवाह के संकल्पना का वर्णन कीजिए और यह बताइए की मह एक संस्कार है या संविदा।
3. एक वैध विवाह के आवश्यक शर्तां की विवेचना कीजिए। हिन्दू विवाह अधि० 1955 के अन्तर्गत एक विवाह कव शून्यकरणीय घोषित किया जा सकता है।
4. क्या एक हिन्दू पत्नी अपने पति से पृथक रहते हुए भरण–पोषण का दावा कर सकती है? यदि हाँ तो किन परिस्थितियों में।
5. अवयस्क से आप क्या समझते है? एक हिन्दू अवयस्क नेसर्गिक संरक्षक कौन–कौन हो सकते है? नैसगिक संरक्षण की शक्तियों की विवेचना कीजिए।
6. हिन्दू संयुक्त परिवार के कर्ता के अधिकार एवं कुर्तव्यों का वर्णन कीजिए किन परिस्थितियों में संयुक्त परिवार की सम्पत्ति को कर्ता द्वारा हस्तान्तरित किया जा सकता है।
7. हिन्दू दत्तक ग्रहण तथा भरण पोषण अधिनियम 1956 के अन्तर्गत वैध दत्तक ग्रहण की आवश्यक शर्ते क्या है? व्याख्या कीजिए।
8. प्रत्येक पुत्र का यह पवित्र कर्तव्य है कि वह अपने पिता के त्रणों के लिए पुत्र के कर्तव्यों की व्याख्या कीजिए।
9. हिन्दू विधि के स्रोतो की व्याख्या कीजिए।
10. **निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**
    1. **शून्य एवं शून्यकरणीय विवाह**
    2. **न्यायिक पृथक्करण एवं विवाह विच्छेद**
    3. **मिताक्षरा विधि एवं दायभाग में अन्तर**
    4. **विभाजन क्या है?**
    5. **दाम्पत्य अधिकारों में पुनर्स्थापन**